Good Relations

CLIENT: Orient Blackswan
PUBLICATION: Shah Times
EDITION Delhi
DATE 26 November, 2011
PAGE NO. 07

प्रफुल्ल बिदवई की पुस्तक का विमोचन

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। जाने-माने राजनीतिक विश्लेषक, कार्यकर्त्ता एवं अनुसंधनकर्त्ता प्रफुल्ल बिदवई ने अपने चार दशक लंबे कॅरियर में, अपने लेखन व भाषणों से उन नीतियों व कार्यों की निंदा की है जो मानव की तरक्की व स्वतंत्रता को रोकते या बाधित करते हैं तथा शांति, निषपक्षता व समानता को बढ़ावा देने वाले कार्यों को समर्थन दिया है।

डर्बन में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन से पहले उनकी पुस्तक ''पॉलिटिक्स ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड द ग्लोबल क्राइसिस'' प्रकाशित हुई है। यह पुस्तक जलवायु परिवर्तन से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के अहम मुद्दों को उठाती है और गरीबों में भी सबसे गरीब देशों पर पड़ने वाले इस राजनीति के प्रभाव की बात करती है। इस पुस्तक का विमोचन 25 नवंबर को इंडिया इंटरनैशनल सेंटर में किया गया।इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे- सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्त्ता अरुणा रॉय, संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व राजदूत निरुपम सेन, ऊर्जा व पर्यावरण विश्लेषक गिरिश संत और जेएनयू में विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र के रोहन डिसूज़ा। यह पुस्तक बहुत सही वक्त पर आई है, गौरतलब है कि डर्बन सम्मेलन 26 नवंबर से आरंभ हो रहा है। इस सम्मेलन में दुनिया भर के नेता जलवायु पर असर डालने वाली अपनी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय नीतियों बातचीत के लिए एक साथ आएंगे। इस पुस्तक में ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए हैं जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता और वैश्विक जलवायु आपदा से बचने के लिए उनका समाधान जरूरी है।